CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

# हाईवे चैनल

वर्ष- 28 अंक- 90 रायपुर, शुक्रवार 25 अप्रैल 2025 पृष्ठ-8 मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

## फूड पॉइजनिंग से बिलासपुर में 45 लोग और कोरबा में 50 बच्चे

**अस्पताल में भर्ती, इलाज जारी**

**कोनी थाना क्षेत्र के तुर्काडीह गांव और उरगा थाना क्षेत्र के भैंसमा के पहरी पारा में हुई घटना**

**बिलासपुर/कोरबा,** 25 अप्रैल (हाईवे चैनल)। कोनी थाना क्षेत्र के तुर्काडीह गांव में एक शादी समारोह के बाद फूड पॉइजनिंग का मामला सामने आया है. रात को खाना खाने के बाद सुबह छोटे बच्चों से लेकर युवा व बुजुर्गों की तबीयत बिगड़ने लगी. खाना खाने के बाद 45 लोगों ने उल्टी दस्त होने की शिकायत की. सभी बीमारों को सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है. स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर भोजन के सैंपल जांच के लिए एकत्र किए हैं. फिलहाल सभी मरीजों की स्थिति स्थिर बताई जा रही है. आज सुबह से फूड पॉइजनिंग का यह दूसरा मामला सामने आया है. कोरबा में भी शादी समारोह का खाना खाने के बाद 50 लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए. इधर विवाह कार्यक्रम में शामिल ग्रामीण फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए. बीमार पड़े 43 बच्चे और छह बड़ों को इलाज के लिए देर रात मेडिकल कालेज अस्पताल दाखिल कराया गया.

सिम्स के डॉक्टरों ने बताया कि कि कोनी क्षेत्र के तुर्काडीह के सतनामीपारा निवासी नीरज सांडे अपनी बेटी का विवाह कर रहे हैं. बहुत सारे मेहमान आए हुए हैं. 23 अप्रैल की रात तीन अलग-अलग गंजे में चावल, सब्जी व दाल बनाया गया था. सभी रिश्तेदारों ने भोजन किया और उसके बाद सोने चले गए. गुरुवार की सुबह सभी की तबीयत बिगड़ने लगी. पहले परिजन तो स्थानीय डॉक्टर से दवाई लेकर सभी को दिया गया. इसके बाद पीड़ितों की संख्या बढ़ते-बढ़ते 45 तक पहुंच गई तो सभी को सिम्स के मेडिकल वार्ड में भर्ती कराया गया. बताया जा रहा है कि तीन गंज के चावल में से एक गंज का चावल खराब था. दो गंजे में बनाए गए चावल को खाने वाले सब ठीक है. तीसरे गंज के चावल को खाने वालों की तबीयत बिगड़ी है. सिम्स में अमरीका सेंडे (36) तिलक बाई (40), मधु (24), दिशा (18), ईशा (17), रुपा (45), रंजिता कुर्रे (30), शाहिल (14), चंदन, रानी (13), जगेश्वरी (28), गंगा बाई (30), आशा बाई (24), सोनिया (16), (13), निखिल पाटले (15), सनम (05), लक्ष्मन (11), अमर कुमार (03), अरून कुमार (12), अंश (06), आद्या (02), हर्ष (11), प्रिमु (10) जगेश्वर बंजारे बीमार हैं. इसमें जागेश्वर की हालत नाजूक है. उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया है. सभी मरीजों को मुफ्त में दवाई दी जा रही है.फूड सेफ्टी अधिकारियों ने कहा है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि किस खाद्य पदार्थ में गड़बड़ी थी. वहीं, तुर्काडीह गांव में स्वास्थ्य विभाग की निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि किसी अन्य को संक्रमण का खतरा न हो. बता दें, गर्मी का मौसम न केवल तापमान बढ़ाता है, बल्कि फूड पॉइजनिंग जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम भी लाता है. उच्च तापमान में बैक्टीरिया और सूक्ष्मजीव तेजी से पनपते हैं, जो खासकर बाहर के खाने और दूषित पानी के जरिए भोजन को संक्रमित करते हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, हर साल लगभग 60 करोड़ लोग खानपान से जुड़ी बीमारियों का शिकार होते हैं. छोटे बच्चे, बुजुर्ग और कमजोर इम्युनिटी वाले लोग इससे ज्यादा प्रभावित होते हैं. फूड पॉइजनिंग के अधिकांश मामलों में ई. कोलाई, स्टेफायलोकोकस, सालमोनेला और क्लॉसट्रिडियम बोट्यूलिनम जैसे बैक्टीरिया पाए जाते हैं. इनमें क्लॉसट्रिडियम बोट्यूलिनम सबसे खतरनाक है, जो ब्लड, किडनी और तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है.

फूड पॉइजनिंग के प्रमुख कारण- दूषित पानी से फसलों की सिंचाई, शौच के बाद हाथ न धोना, गंदे बर्तनों का उपयोग, डेयरी उत्पादों को कमरे के तापमान पर रखना, फ्रोजन फूड्स का सही स्टोरेज न करना, सब्जियों और फलों को बिना धोए उपयोग करना, नॉनवेज फूड्स को अधपका खाना, अशुद्ध पानी का सेवन। गर्मियों में फूड पॉइजनिंग से बचने के लिए साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें. खाने से पहले फल-सब्जियों को अच्छी तरह धोएं, शुद्ध पानी पिएं, और बाहर के खाने से परहेज करें. खाद्य पदार्थों को सही तापमान पर स्टोर करें और बर्तनों की नियमित सफाई करें. सतर्कता ही इस मौसम में आपकी सबसे बड़ी सुरक्षा है.

इधर कोरब के उरगा थाना क्षेत्र के भैंसमा के पहरी पारा की है. जानकारी के अनुसार, पालीथीन में पैक सेव बूंदी खाने के बाद बच्चों और बड़ों की तबीयत बिगड़ी. उल्टी-दस्त की शिकायत आते ही गांव में हड़कंप मच गया. मेडिकल कॉलेज की पूरी टीम देर रात पहुंचे बीमारों के इलाज में जुटी रही. सूचना पाकर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी घायलों की हालत का जायजा लेने के लिए अस्पताल पहुंचे.

**भारतमाला प्रोजेक्ट में गड़बड़ी पर की कार्रवाई**

## ईओडब्ल्यू ने तत्कालीन एसडीएम, तहसीलदार सहित 17-20 अधिकारियों के ठिकानों पर दी दबिश

**रायपुर,** 25 अप्रैल (हाईवे चैनल)। भारतमाला प्रोजेक्ट में गड़बड़ी पर ईओडब्ल्यू ने आज सुबह नया रायपुर, अभनपुर, दुर्ग-भिलाई, आरंग सहित प्रदेश के अन्य जिलों में करीबन 20 ठिकानों पर छापा मारा है.

जानकारी के अनुसार, ईओडब्ल्यू ने तत्कालिक अभनपुर एसडीएम निर्भय साहू और तत्कालिक तहसीलदार शशिकांत कुर्रे के रायपुर स्थित घरों के साथ करीबन 17 से 20 अधिकारी-कर्मचारियों के स्थित ठिकानों पर पहुंची है. ईओडब्ल्यू की टीम इन ठिकानों पर संबंधित दस्तावेजों की तलाश कर रही है. शुरुआती जांच में यह सामने आया था कि कुछ सरकारी अधिकारियों, भू-माफियाओं और प्रभावशाली लोगों ने मिलीभगत कर फर्जी तरीके से लगभग 43 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि हासिल कर ली. लेकिन विस्तृत जांच में यह आंकड़ा 220 करोड़ रुपये से ज्यादा तक पहुंच गया है. अब तक 164 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन का रिकॉर्ड भी जांच एजेंसी को मिल चुका है. मामले की गंभीरता को देखते हुए नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने 6 मार्च को प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर सीबीआई जांच की मांग की है.

इस घोटाले को लेकर चरणदास महंत ने विधानसभा बजट सत्र 2025 में भी मुद्दा उठाया था. इसके बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रकरण की जांच ईओडब्ल्यू को सौंपने का निर्णय लिया गया था. अब ईओडब्ल्यू ने इस पूरे मामले की जांच को और तेज कर दिया है.

छत्तीसगढ़ में भारतमाला परियोजना के तहत राजधानी रायपुर से विशाखपट्टनम तक 950 कि.मी. सड़क निर्माण किया जा रहा है. इस परियोजना में रायपुर से विशाखापटनम तक फोरलेन सड़क और दुर्ग से आरंग तक सिक्स लेन सड़क बनना प्रस्तावित है. इस सड़क के निर्माण के लिए सरकार ने कई किसानों की जमीनें अधिग्रहित की हैं. इसके एवज में उन्हें मुआवजा दिया जाना है, लेकिन कई किसानों को अब भी मुआवजा नहीं मिल सका है. विधानसभा बजट सत्र 2025 के दूसरे दिन नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने इस मुद्दे को उठाया था, जिसके बाद इस मामले में जांच का फैसला लिया गया.

भूमि अधिग्रहण नियम 2013 के तहत हितग्राही से यदि 5 लाख कीमत की जमीन ली जाती है, तो उस कीमत के अलावा उतनी ही राशि यानी 5 लाख रुपए सोलेशियम के रूप में भी दी जाएगी. इस तरह उसे उस जमीन का मुआवजा 10 लाख दिया जाएगा. इसके तहत 5 लाख की यदि जमीन अधिग्रहित की जाती है तो उसके 10 लाख रुपए मिलेंगे और 10 लाख रुपए सोलेशियम होगा. इस तरह हितग्राही को उसी जमीन के 20 लाख रुपए मिलेंगे.

**ब्रेकिंग न्यूज**

### एनकाउंटर में लश्कर आतंकी अल्ताफ लाली ढेर, 2 जवान घायल

**नई दिल्ली,** 25 अप्रैल (न्यूज चैनल)। जम्मू एवं कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का एक प्रमुख आतंकवादी, अल्ताफ लाली, मारा गया है. यह मुठभेड़ शुक्रवार सुबह से जारी है, जब सुरक्षाबलों ने क्षेत्र में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया. जैसे ही आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी की, तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया.

इस एनकाउंटर में एक आतंकवादी के घायल होने की सूचना मिली है, जबकि दो सुरक्षाकर्मी भी घायल हुए हैं. यह घटना पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच चौथा एनकाउंटर है. इससे पहले, गुरुवार को सुरक्षाबलों ने उधमपुर के डूडू बसंतगढ़ में कुछ आतंकियों को घेर लिया था, जिसमें सेना का एक हवलदार शहीद हो गया था. बांदीपोरा पुलिस ने कल लश्कर-ए-तैयबा के चार ओवर ग्राउंड वर्करों को गिरफ्तार किया. पुलिस के अनुसार, उन्हें खुफिया जानकारी मिली थी कि लश्कर से जुड़े कुछ ओवर ग्राउंड वर्कर पुलिस और गैर स्थानीय लोगों पर हमले की योजना बना रहे हैं. इस सूचना के आधार पर, बांदीपोरा पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया और जिले के विभिन्न स्थानों पर घेराबंदी की. यह ऑपरेशन पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद आतंकियों की गिरफ्तारी के लिए चलाया जा रहा है.

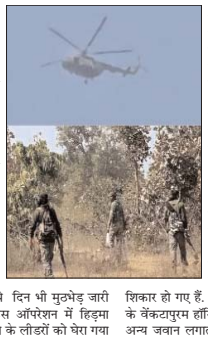

## नक्सलियों के खिलाफ जवानों की कार्रवाई चौथे दिन भी जारी, हेलीकॉप्टर से नक्सलियों पर हो रही बमबारी



**बीजापुर,** 25 अप्रैल (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ आज 4थें दिन भी जारी है. घने जंगलों के बीच सुरक्षा बल के जवान नक्सलियों की मांद में घुसकर उनका खात्मा करने में लगे हुए हैं. लगातार 4 दिन से चल रही इस मुठभेड़ में जवानों ने 5 नक्सलियों को मार गिराया है, जिनमें से 3 के शव समेत हथियार बरामद हुए हैं. आज सुरक्षा बलों के जवान हेलीकॉप्टर से नक्सलियों पर गोलीबारी और बमबारी कर उनका खात्मा करने में लगे हैं. इसका वीडियो भी सामने आया है। बता दें, उसूर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोतापल्ली गांव के करेंगुट्टा पहाड़ी में आज चौथे दिन भी मुठभेड़ जारी है. नक्सलियों के खिलाफ जारी इस ऑपरेशन में हिड़मा समेत बड़े कैडर के माओवादी संगठन के लीडरों को घेरा गया था. हालांकि वे किसी तरह भाग निकले. लेकिन अब भी स्त्रस्त्र के जवान लगातार उन्हें ढूंढने और सभी नक्सलियो का खात्मा करने में लगे हुए हैं. लगातार दोनों तरफ से रुक-रुक कर फायरिंग हो रही है और नक्सलियों पर हेलीकॉप्टर से बमबारी की जा रही है।

नक्सल मुठभेड़ में अब तक मिली सफलता के लिए मंत्री केदार कश्यप ने जवानों को शुभकामनाएं दी है. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ नक्सलवाद मुक्त राज्य की ओर आगे बढ़ रहा है. एक साल में जो सफलता मिली है, उसके लिए पुलिस बल और फोर्स को बधाई . उन्होंने बताया कि नक्सलियों के मारे जाने की सूचना है, सर्चिंग ऑपरेशन अब भी जारी है, मार्च 2026 तक देश में नक्सलवाद का खात्मा होगा. वहीं इस भीषण गर्मी के बीच सुरक्षाबलों के 15 से ज्यादा जवान लू शिकार हो गए हैं. उन्हें प्राथमिक ईलाज हेतु तेलगांना के पास के वेंकटापुरम हॉस्पिटल में भर्ती कराया जा रहा है. इस बीच अन्य जवान लगातार नक्सलियों के खिलाफ जंगलों में डटे हुए हैं।

## पतंग की तरह लहराते हुए समुद्र में गिरा विमान क्रैश, सभी यात्रियों की मौत

**नई दिल्ली,** 25 अप्रैल (न्यूज चैनल)। थाईलैंड के प्राचुआब किरी खान प्रांत में एक बड़ा विमान हादसा हुआ है, जिसमें पुलिस अधिकारियों से भरा एक छोटा विमान समंदर में गिर गया। हादसे में विमान में सवार पांच पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई है। यह हादसा हुआ हिन जिले के पास हुआ, जहां विमान पैराशूट प्रशिक्षण की तैयारी के लिए परीक्षण उड़ान पर था। रॉयल थाई पुलिस के प्रवक्ता अर्चायोन क्रेथोंग ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त विमान 'वाइकिंग डीएचसी-6 ट्विन ओटर' था। घटनास्थल से प्राप्त तस्वीरों में विमान का मलबा दिखाई दे रहा है।

हवाई अड्डे से कुछ ही दूर हुई यह दुर्घटना, थाईलैंड की पुलिस के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि विमान में सवार सभी छह लोग पुलिस अधिकारी थे। स्थानीय जनसंपर्क विभाग के मुताबिक, पांच अधिकारियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य अधिकारी गंभीर हालत में अस्पताल में है। फिलहाल, दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है, और अधिकारियों ने विमान के ब्लैक बॉक्स से डाटा इकट्ठा करना शुरू कर दिया है।

## पहलगाम हमले का बदला शुरू, आतंकियों के ठिकानों पर सुरक्षा बलों का ताबड़तोड़ एक्शन, बुलडोजर चला-घर में विस्फोट

**नई दिल्ली,** 25 अप्रैल (न्यूज चैनल)।22 अप्रैल को बैसरन घाटी में हुए खौफनाक आतंकी हमले के बाद अब भारत ने बड़ा जवाब देना शुरू कर दिया है। हमले के पीछे शामिल आतंकियों को सबक सिखाने के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने तेज और टारगेटेड कार्रवाई का मोर्चा संभाल लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कड़े एक्शन की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद अब जमीन पर एक्शन देखने को मिल रहा है। इस सिलसिले में सबसे बड़ी कार्रवाई जम्मू-कश्मीर के त्राल इलाके में हुई, जहां पुलिस ने आतंकी आसिफ के घर पर छापा मारा। बताया जा रहा है कि उसके घर में विस्फोटकों का बड़ा जखीरा छुपाया गया था, जिसमें अचानक धमाका हो गया। इस दौरान सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया और तलाशी अभियान तेज कर दिया।

वहीं, दूसरे आतंकी आदिल के घर पर बुलडोजर एक्शन हुआ—घर को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। दोनों आतंकी हाल ही में वायरल हुए उस वीडियो में देखे गए थे, जिसमें वे सुरक्षा बलों को खुली चुनौती दे रहे थे। हमले की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने जांच अपने हाथ में ले ली है। साथ ही भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त बल पूरे क्षेत्र में सघन सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। माना जा रहा है कि आतंकी अभी भी आसपास के जंगलों में छिपे हुए हैं। अब तक करीब 2000 लोगों से पूछताछ की जा चुकी है और कई को हिरासत में लिया गया है। इस दर्दनाक हमले में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की मौत हुई थी। चश्मदीदों के मुताबिक, आतंकियों ने यात्रियों से धर्म पूछकर गोलियां चलाईं। अधिकतर मृतक हिंदू समुदाय से थे। अनंतनाग निवासी आदिल शाह एकमात्र मुस्लिम था जिसकी इस हमले में जान गई। हमले के तुरंत बाद एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें दो आतंकी, लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आसिफ और आदिल, हथियारों से लैस नजर आ रहे थे। यही दोनों अब सुरक्षाबलों के रडार पर हैं। इनके खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई जारी है।

## अटारी बॉर्डर पर पहली बार 'बीटिंग द रिट्रीट' सेरेमनी में ऐतिहासिक बदलाव, भारत ने तीन बॉर्डर किए सील

पाक प्रायोजित आतंकवाद ने एक बार फिर सीमा पार से दोस्ती की कोशिशों पर पानी फेर दिया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इसी कड़ी में भारत सरकार ने अटारी, हुसैनीवाला और सदकी बॉर्डर को अस्थायी रूप से बंद करने का आदेश दिया है। इन बॉर्डर प्वाइंट्स पर हर शाम होने वाली 'बीटिंग द रिट्रीट' सेरेमनी में भी इस बार एक अलग ही नज़ारा देखने को मिला। गुरुवार को अटारी बॉर्डर पर वर्षों पुरानी परंपरा टूटती नज़र आई। इस बार न ही गेट खोले गए, न ही बीएसएफ और पाकिस्तानी रेंजर्स के बीच परंपरागत हैंडशेक हुआ। पूरा समारोह शांतिपूर्वक और बिना किसी औपचारिक मेलजोल के संपन्न हुआ।स्वतंत्रता के बाद पहली बार ऐसा हुआ जब बॉर्डर पर यह समारोह बिल्कुल सादगीपूर्ण और गंभीर माहौल में आयोजित किया गया। यह कदम साफ़ इशारा करता है कि भारत अब पाकिस्तान की हर नापाक चाल का जवाब कूटनीतिक और रणनीतिक स्तर पर देने के मूड में है। भारत की यह रणनीति केवल जवाब नहीं, बल्कि एक स्पष्ट चेतावनी भी है—अब शब्द नहीं, कार्य होंगे। सीमा पर बढ़ती तल्ख़ी के बीच दुनिया की निगाहें अब भारत-पाक संबंधों की अगली दिशा पर टिकी हैं।

### आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी के कश्मीर पहुंचते ही पाकिस्तान की उल्टी गिनती शुरू



**शहबाज शरीफ ने 2 बार पीएम मोदी को फोन मिलाया?**

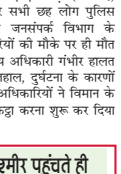

पहलगाम आतंकी हमले के बाद अब सरकार एक्शन मोड में है। ऑल पार्टी मीटिंग के बाद कहा जा रहा है कि बहुत जल्द पाकिस्तान पर एक्शन लिया जा सकता है और कार्रवाई हो सकती है। इस बीच एयर फोर्स ने युद्धाभ्यास भी शुरू कर दिया है, जिसका नाम आक्रमण है। पाकिस्तान में क्या चल रहा है और नई दिल्ली की गतिविधियों पर नजर डालेंगे तो आपको पता चल जाएगा कि आने वाले वक्त में क्या हो सकता है। भारत के बारे में बात करें तो सबसे पहले सीसीएस की बैठक हुई और उसके बाद आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी कश्मीर गए हैं। सेना के तीनों अंगों को वॉर रेडी यानी युद्ध के लिए तैयार रहने के लिए कहा गया है। हमारे नेवल बेस को शिफ्ट करके अरब सागर की तरफ कर दिया गया है। नेवल ब्लॉकेड की तैयारी भारत की तरफ से की गई है। मतलब पाकिस्तान का कोई जहाज अरब सागर से होकर नहीं गुजर सकता। एयर फोर्स ने युद्धाभ्यास आक्रमण शुरू कर दिया है। भारतीय थल सेना ने भी युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। उधर गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राष्ट्रपति मुर्मू को जानकारी दी है। इधर अपुष्ट सूत्रों से जानकारी मिली है कि शहबाज शरीफ ने दो बार पीएम मोदी से बात करने की कोशिश की है। लेकिन भारत की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया है। 24 अप्रैल से ही शहबाज शरीफ मोदी जी से बात करने के लिए परेशान हैं। वहां के पत्रकार कह रहे हैं कि आज दुनिया भारत के साथ खड़ी है। कोई हमारा साथ नहीं दे रहा है। फिर राजनयतिक स्तर पर जी 20 देशों के राजनयिकों को विदेश मंत्रालय की तरप से ब्रीफ किया गया। अब तक कुल मिलाकर 32 देशों के राजदूतों को बताया जा चुका है कि भारत के साथ क्या हुआ और भारत क्या प्रतिक्रिया व्यक्त करने वाला है। वहीं पाकिस्तान की बात करें तो शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में एक बैठक हुई, जिसमें पाकिस्तानी सेना के तीनों हेड मौजूद थे। विदेश मंत्री, उपप्रधानमंत्री मौजूद थे। पाकिस्तान की तरफ से भी अपने तीनों सेनाओं को अलर्ट पर और वॉर रेडी रहने के लिए कहा गया है।




चूहा- सुनती हो, पाकिस्तान कह रहा है कि सिंधु नदी का पानी रोकना युद्ध माना जाएगा।
चुहिया- हां जी, पानी तो रोक दिया गया और फोटो भी भेज दिया गया। अब क्या...!

CMYK